# आकाशवाणी, गोरखपुर

## दिनांक–24 जून 2024 भोजपुरी समाचार

अठारहवीं लोकसभा क पहिला सत्र आजु नया चुनल गइल सांसदन के सपथ लिहले के साथे सुरू भइल। प्रोटेम स्पीकर भर्तृहरि महताब सबसे पहिले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सपथ दियवलें। प्रधानमंत्री के बाद लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव ले सदन क कार्यवाही चलावे में श्री महताब क मददि बदे नियुक्त अध्यक्षन के पैनल के सपथ दियावल गइल, जवने में भाजपा सांसद राधा मोहन सिंह अउर फग्गन सिंह कुलस्ते सामिल हवें। हलांकि कांग्रेस सांसद के सुरेश, डीएमके सांसद टी.आर. बालू अउर टीएमसी क सुदीप बंद्योपाध्याय पैनल के सदस्य के रूप में सपथ नाहीं लिहलें।

एकरे बाद केंद्रीय मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह, शिवराज सिंह चौहान, नितिन गडकरी, मनोहर लाल, पीयूष गोयल, जीतनराम मांझी, राजीव रंजन उर्फ लल्लन सिंह, डॉ वीरेंद्र कुमार, किरेन रिजिजू, चिराग पासवान आ अउरियो लोगि सपथ लिहलें। केन्द्रीय मंत्री दुर्गा दास ऊईमें संस्कृत में सपथ लिहलें आजु अठारवहीं लोकसभा क पहिली बइठकी के दौरान संसद भवन में भारत क विविध बहुभासीय अउर सांस्कृतिक परम्परा क झलक देखे के मिलल। हिन्दी अउर अंगरेजी के अलावा कई सांसद तेलुगु, असमिया, बांग्ला, मलयालम, गुजराती, संस्कृत, कन्नड़, उड़िया, डोगरी आ अउरियो क्षेत्रीय भाषा में सपथ लिहलें। कुछु सांसद पारम्परिक पहिरावो में देखाई दिहलें।

आजु भिन्नहीं, प्रोटेम स्पीकर भर्तृहरि महताब के राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सपथ दियउलिनि। नया अध्यक्ष क चुनाव बुध के होई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बियफे के संसद के दुन्नो सदन क संयुक्त बइठकी के सम्बोधित करिहें। राज्यसभो क सत्र बियफे से सुरू होई। संसद सत्र तीनि जुलाई के पूरा होई। सत्र से पहिले मीडिया से बतियावत प्रधानमंत्री मोदी कहलें कि अठारहवीं लोकसभा क सत्र विकसित भारत के निरमाण के संकलप से सुरू हो रहल हौ। उहां के कहलीं कि उनकर सरकार देस सेवा अउर जन आकांक्षा के पूरा करे बदे लगतारे कोसिस करी। उनकर सरकार सबके साथे ले के अउर संविधान क पवित्रता के बरकरार रक्खत तेजी से फैसिला लिहल चाहति हौ।

**********

प्रदेस क कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही कहले हवें कि प्रदेस क किसान अन्न उत्पदनें में नाहीं बलुक बीया के उत्पादनों में आत्मनिरभर होत जात बा। एकरे बदे किसानन के लगतारे ट्रेनिंग दीहल जा रहल हौ। कृषि मंत्री आजु बनारस के गिरजा देवी सांस्कृतिक संकुल में बनारस–विन्ध्याचल अउर प्रयागराज मण्डल क संयुक्त खरीफ बइठकी में ई बाति कहलें। उहां के कहीं कि आजु केन्द्र अउर राज्य सरकार किसानन क समेस्या के निदान के सथहीं उनकर फसिलि पैदावारो के बढ़वले क कोसिस कइ रहल हवे। एकरे बदे किसानन के खेती से जुड़ल नया–नया जनकारी अउर खेतीबारी से जुड़ल नया–नया उपकरणो दीहल जा रहल हौ। येह मौका पर कृषि मंत्री कृषि उत्पाद क परदरसनी देखलें अउर ओकरे बारे में किसानन के ढेरि से ढेरि जनकारी देवे बदे अधिकारियन के निरदेस दिहलें।

**********

बाघ अउर हाथियन के बचावे बदे प्रदेस सरकार पहल कइले हौ। एहमें प्रोजेक्ट टाइगर अउर प्रोजेक्ट एलीफेंट बदे सरकार वित्तीय बरिस दुइ हजार चउबीस–पचीस खातिर पांच दसमलव तीनि एक करोड़ रूपिया जारी कइ चुकल हौ। वन विभाग क प्रधान मुख्य वन संरक्षक अउर विभागाध्यक्ष येह बारे में पुरहर दिसा–निरदेस जारी कइले हवें। येह धनरासि क इस्तेमाल मसीनि, संयंत्र अउर उपकरण के खरीदि के सथहीं अउरियो मद में कइल जा सकी। येह कोसिस से हाथियन अउर बाघन क संरक्षा हो पाई।

**********

एक जुलाई से देस भर में लागू कइल जा रहल नया आपराधिक कानून में पीड़ित केन्द्रित दृस्टिकोंण अपनावल गइल हौ। एकर उद्देस्य न्याय प्रणाली क दक्षता, निस्पक्षता अउर जबाबदेही के बढ़ावल हौ। ई पीड़ितन के आपराधिक मोकदिमन में एगो हितधारक के तौर पर मान्यता देला, भागीदारी अधिकार देला अउर पीड़ित बदे सूचना क बिस्तारित अधिकार देला। नवका कानून में पीड़ित के आपन बिचार रखले क अधिकार हौ जेहसे हितधारक के रूप में उनकर भूमिका मजबूत होला। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता क धारा 360 क उद्देस्य केस वापसी क अनुमति दिहले से पहिले पीड़ित क आवाज के सुनल सुनिस्चित कइ के, सीआरपीसी क धारा 321 में ऐतिहासिक कमी के भरल हौ।

**********

प्रदेस के कई जिलन में मौसम में आजु बदलाव देखे के मिलल हौ। कई जगहिनि पर हल्लुक से मद्धिमाहें बरखा से लोगिन के गरमी से राहति मिलल हौ। सम्भल, अमरोहा, ललितपुर, हापुड़, उन्नाव, अलीगढ़ अउर बदायूं जिला में बरखा क खबरि हौ। गोरखपुर के सथहीं प्रदेस के पूरबी जिलनों में बादर छवले हौ अउर कहीं–कहीं बरखो हो रहल हौ।

**********